जीवन विघा शिविर प्रकार

** निम्नलिखित सुचना जीवन विद्या – मध्यस्थ दर्शन के अध्ययन क्रम में विभिन्न शिविरों के सुचना हेतु दिया है| यह कोई प्रतिबद्धता नहीं, बलकी सुझावित है|*

शिविर प्रकार सारांश:

I. **जीवन विद्या शिविर = परिचय शिविर**
   a) #1) प्राथमिक परिचय शिविर
   b) #2) अध्ययन बिंदु परिचय शिविर (मुख्य अध्ययन बिंदुओं से अवगत होना)

II. **अध्ययन शिविर (मध्यस्थ दर्शन)**
   a) अंश कालीन : (हर ३ माह में ७ अथवा १० दिन, ३ वर्ष मे पूरा होता है)
   b) पूर्ण कालीन: (६ माह, पुरे समय)

III. **गोष्ठी**
   a) अध्ययन गोष्ठी#1 (पठन एवं तर्क के क्रम को पूरा करने हेतु)
   b) अध्ययन गोष्ठी#2 (समझ के जाँच हेतु)

शिविर प्रकार	शिविर का नाम	उद्देश्य	अपेक्षित पठन
"जीवन विघा शिविर" = "परिचय शिविर" *= २ प्रकार के परिचय शिविर हैं*	"#1) **प्राथमिक परिचय**" *=७ दिन* *(हिंदी, अंग्रेजी, मराठी, तेलुगु एवं कन्नड़ में)*	• प्राथमिक परिचय: वर्तमान दर्शन-विचार एवं जीने के समीक्षा सहित • जीव चेतना से मानव चेतना मे गुणात्मक परिवर्तन की आवश्यकता को बोध कराने हेतु • 'विकल्प' – मध्यस्थ दर्शन के अध्ययन की आवश्यकता स्पष्ट होने: सहअस्तित्व, जीवन होने की सूचना	- 'जीवन विघा एक परिचय', 'विकल्प' - ए नागराजजी के परिचयात्मक विडियो-ऑडियो देखना-सुनना

जीवन विद्या शिविर प्रकार

= "परिचय शिविर"	"#2) अध्ययन बिंदु परिचय शिविर" = ७ से १० दिन (हिंदी, मराठी, अंग्रेजी में)	• अध्ययन बिंदु (४४ बिंदु) से अवगत होने हेतु • मध्यस्थ दर्शन (सह-अस्तित्ववाद के मूल तत्वों पर सकेंद्रित • **ज्ञान**: अस्तित्व दर्शन, जीवन (स्वयं), मानवीयतापूर्ण आचरण, **विवेक-विज्ञान** का सूचना • 'अध्ययन' की आवश्यकता स्पष्ट होता है	- अध्ययन बिंदु - समाजशास्त्र - भौतिकवाद - अध्यात्मवाद - संवाद - ए नागराजजी के परिचयात्मक विडियो-ऑडियो देखना-सुनना
"अध्ययन शिविर" = २ समय अवधी के अध्ययन शिविर	#1) अंश-कालीन अध्ययन शिविर = ३ माह मे ७-१० दिन, दो से तीन वर्षों में पूरा होता है	• मध्यस्थ दर्शन (सह-अस्तित्ववाद) के १५ पुस्तकों का विधिवत, सघनता-पूर्वक अध्ययन • वांग्मय का स्वयं अध्ययन करने मे समर्थ होना, 'अध्ययन' का प्रक्रिया प्रारंभ • 'जीने' का स्वरुप निकल आये	- विकल्प से संविधान तक सम्पूर्ण १५ पुस्तक - ऑडियो-वीडियो
	#2) पूर्ण कालीन अध्ययन शिविर = प्रति माह ३० दिन, ६ माह मे पूरा होता है		- विकल्प से संविधान तक सम्पूर्ण १५ पुस्तक - ऑडियो-वीडियो
"गोष्ठी" = गोष्ठियां २	#1) 'अध्ययन गोष्ठी' #1	• वास्तविकता के अनेक कोण-आयामों पर चर्चा: पठन एवं तर्क पूरा होने हेतु • 'अध्ययन' के साथ साथ 'जीने में अभ्यास' प्रारंभ: भास्-आभास पूरा होने का प्रयास; साक्षात्कार के लिए प्रयास	- विकल्प से संविधान तक सम्पूर्ण १५ पुस्तक - ऑडियो-वीडियो

प्रकार के हैं	**#2) 'अध्ययन गोष्ठी' #2**	• 'पढ़ लिया, सोच लिया': अपने – विचार, समझ, एवं जीने पर चर्चा, जाँच, सुधार हेतु • साक्षात्कार के लिए; पूरा करने हेतु; एवं जांचने हेतु चर्चा | • भास्-आभास पूरा होना | अवधारणा, अनुभव के लिए प्रयास	- विकल्प से संविधान तक सम्पूर्ण १५ पुस्तक, ऑडियो-वीडियो

महत्वपूर्ण सुचना:

- *जीवन अथवा स्वयं में समझने के स्तर इस प्रकार हैं:*
  - *सत्य (वास्तविकता का) भास्,*
  - *सत्य (वास्तविकता का) आभास,*
  - *सत्य (वास्तविकता का) प्रतीति (साक्षात्कार, अवधारणा),*
  - *सत्य (वास्तविकता का) अनुभव* \|
- 'अध्ययन' के विभिन्न आयामों से गुजरते हुए, "ज्ञान/समझ" के लिए प्राथमिकता अनुसार हमारे में उपरोक्त 'स्तरों' में क्रमिक प्रगति होता है| 'अध्ययन प्रक्रिया' पर विस्तृत चर्चा 'अध्ययन शिविरों' में होता हैं, एवं इस लेख के सीमा में नहीं है|

- ** अध्ययन शिविर के पश्च्यात 'परिचय शिविर' पुनह: करना भी संभव हैं, इसी प्रकार, 'गोष्ठी' के बाद 'अध्ययन शिविर' करना संभव हैं \| अत: यह एक 'रेखाकार' प्रक्रिया न होकर, 'पुनरावर्ती' क्रम है* \|

** उप्रोत्क सुचना मात्र एक नए परिचित व्यक्ति के लिए संकेत के रूप में है* \|

'अध्ययन' एक मार्गदर्शित प्रक्रिया है, जो समझे हुए व्यक्ति (गुरु) एवं शिष्य के बीच होता है \|

** "मध्यस्थ दर्शन (सहअस्तित्ववाद)" के लोकव्यापीकरण योजना का नाम 'जीवन विद्या', है*